Antarvasna™
अन्तर्वासना

भाभी संग उनकी दो सहेलियां और मेरा लंड

“इस ग्रुप सेक्स कहानी में आज आप मज़े लीजिए कि कैसे पड़ोसन भाभी ने मुझे उनकी दो चालू सहेलियों की गांड और चूत भी दिलवाई. …”

Story By: manan zeba (mananzeba)
Posted: Wednesday, November 14th, 2018
Categories: ग्रुप सेक्स स्टोरी
Online version: भाभी संग उनकी दो सहेलियां और मेरा लंड

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

भाभी संग उनकी दो सहेलियां और मेरा लंड

नमस्कार दोस्तो, जैसा कि आप सभी ने मेरी पहली कहानी
पड़ोसन भाभी की कुंवारी गांड की चुदाई की गंदी कहानी
में पढ़ा था कि कैसे मैंने अपनी एक पड़ोसन भाभी की गांड मारी और उसके बाद कई और बार भी उनके साथ चुदाई का लुत्फ़ लिया. इस सेक्स कहानी में आज आप मज़े लीजिए कि कैसे रिया भाभी ने मुझे उनकी सहेलियों की गांड भी दिलवाई.

एक शनिवार के दिन मैंने छुट्टी ली हुई थी और घर बैठे आराम करने का मन बनाया था. मैं जब घर पर अकेला होता हूँ तो ज्यादातर नंगा या अंडरवियर में ही घूमता हूँ.

खिड़की बंद करके में टीवी की बड़ी स्क्रीन पर नंगी फिल्मों का मज़ा ले रहा था और लंड हिलाने ही वाला था कि भाभी का फ़ोन आ गया- क्यों मनन, घर पर क्या कर रहे हो ?
मैंने कहा- कुछ नहीं भाभी बस आपको ही याद कर रहा था बस !
भाभी ने फोन पर हंसते हुए कहा- मुझे मालूम है तुम खिड़की बंद करके कैसे याद करते हो..
मैं भी हंस दिया.

भाभी ने कहा- खैर.. वो सब फिर कभी कर लेना, अभी मुझे कुछ सामान ला दो, मैं तुम्हें लिस्ट भेज रही हूँ.
मैंने बेमन से वो काम करने ही हामी भर दी.
जब मैं वो सामान लेकर पहुंचा तो भाभी ने मेरा स्वागत गले मिल कर किया.

मैंने देखा कि वहीं पर भाभी की दो सहेलियां मयूरी और एकता भी बैठी थीं. जिनसे उन्होंने मेरा परिचय करवाया. उन दोनों की मुस्कुराहट से ऐसा लगा जैसे उन्हें मेरे और भाभी के रिश्तों के बारे में शायद मालूम था.

मैंने कहा- लगता है आज आपकी महिला पार्टी है, आप लोग मज़े कीजिए, मैं चलता हूँ.
तभी भाभी ने कहा- पगले.. जूस तो पी के जा!
यह कहते हुए रिया भाभी ने मुझे हाथ पकड़ कर रोका और उन्होंने मुझे 'ले, संतरा जूस पी ले..' बोलकर वोडका पिला दी.

बस अगले दस मिनट में मैं भी मज़े से सिप करते हुए उन तीनों के साथ वोडका पी रहा था. उन तीनों के साथ वोडका पीते पीते मुझे नशा होने लगा क्योंकि मुझे वोडका जल्दी चढ़ जाती है.

इससे पहले आगे चलूं, मैं आपको भाभी और उनकी सहेलियों के बारे में बता देता हूँ.

रिया भाभी की सहेली एकता भाभी का कद ऊंचा था, करीब पांच फुट सात इंच जितना था. एकता भाभी चेहरा तो ठीक ठाक ही था, पर उनका बदन बड़ा गदराया हुआ था. उनकी गांड इतनी मख़मली थी कि मेरा लंड उनकी गांड को देख कर फनफना जाता था. अभी भी हल्के नशे में मेरा दिल कर रहा था कि बस अभी उनकी गांड खोल कर चाट लूँ और मार लूँ. इस वक्त तो एकता भाभी के मम्मे भी तीखे और नुकीले लग रहे थे. जिन्हें वे और भी अधिक उठा उठा कर दिखाने की अदा दिखा रही थीं. भाभी की दूधघाटी और ब्रा अपने खुले पहाड़ों के दर्शन दे रही थीं.

मैंने अपने आप पर संयम रखा. दूसरी तरफ मयूरी भाभी इतनी खूबसूरत थीं कि बस यूं लग रहा था कि उनको पूरा दिन चूसता चाटता रहूँ. उनके 34″ c साइज़ के पूरे गोल गोल दूध.. एकदम गदराये हुए थे. उन्होंने इतनी टाइट जींन्स और टी-शर्ट पहन रखी थी कि वो मुझे पागल कर रही थीं.

इधर रिया भाभी ने भी सेक्सी गाउन पहना हुआ था, जिसमें उनका फिगर पूरा दिख रहा था.

इन तीनों हसीनाओं के बीच नशे में मेरा लंड तूफान खड़ा किये दे रहा था, जो कि रिया भाभी देख चुकी थीं.

कुछ पल हम लोगों ने पत्ते खेले और साथ ही वोडका का दौर चलता जा रहा था. मेरी भी उनसे धीरे धीरे बातें होने लगीं. मैं जब मूतने गया तो मैंने पीछे से तीनों की बातें सुन लीं, जिससे मेरे लंड ने अपना कण्ट्रोल खो दिया.

एकता भाभी ने कहा- रिया यार, ये तेरा गांडू तो बड़ा क्यूट है और इसका तम्बू भी एकदम टाइट हो चुका है.
ये कह वे तभी तीनों हंस दीं.
मयूरी भाभी ने कहा- मेरे पति अपना काम करके सो जाते हैं, मेरे बारे में सोचते भी नहीं हैं और मेरी आग लगी रहती है.
तभी रिया भाभी ने कहा- हाय जानेमन, कहो तो मैं तुम्हारी आग बुझा दूँ ?
एकता भाभी ने कहा- आग तो मुझे भी लगी है, क्या ये हम तीनों की आग बुझा पाएगा ?
रिया भाभी ने कहा- जवान तैयार है, इशारा करेंगे तो सबकी कामवासना बुझा देगा.
इस पर मयूरी भाभी ने कहा कि रहने दो यार, मुझे थोड़ी शर्म भी आ रही है, फिर कभी ऐसा कुछ तूफानी करेंगे.

इससे पहले की मौका हाथ से निकल जाता, मैंने सोचा क्यों ना गरम लोहे पे हथौड़ा मार दिया जाए. मैंने अपने कपड़े उतारे और नंगा ही अन्दर चला आया. पहले तो तीनों मुझे नंगा देख कर चौंक गईं और फिर हंस दीं.
एकता भाभी ने कहा- क्यों उस्ताद, इतनी गर्मी लग रही है क्या.. हा हा हा.

रिया भाभी मुझे एकटक देख रही थीं, तो मैंने कहा- आप तीनों हसीनाओं के साथ बैठ कर मेरे पप्पू का ये हाल हुआ है और वोडका का नशा अलग से मुझे हॉट किए दे रहा था. फिर मैंने आपकी बातें सुन भी ली हैं. अब आप तीनों चाहो तो मैं कपड़े पहन कर लौट जाता हूँ

अपने घर.. और आप चाहो तो इसकी सेवा ले सकती हो.. हा हा हा..

इससे पहले कि रिया भाभी और मयूरी भाभी कुछ कहतीं, एकता भाभी ने कहा- हम तुम्हें अकेले रिया को खुश करने नहीं देंगे, तुम्हें हम दोनों को भी खुश करना होगा.
मैंने कहा- जो हुकुम भाभी जी.

तभी मयूरी भाभी, जो गर्म तो थीं ही, उन्होंने कहा- यह सिर्फ एक बार होगा और इसका ज़िक्र कभी किसी और से नहीं होगा.
हम तीनों ने हां में हां मिला दी.
अब मयूरी भाभी ने रिया भाभी को कहा- क्या कंडोम पड़े हैं घर पे ?

तभी रिया भाभी हंस दी और कहा- जनाब गांड बहुत अच्छी मारते हैं, एक बार लेकर देखो.
यह कहते हुए रिया भाभी ने आगे आकर मेरा खड़ा लंड अपने मुँह में ले लिया.

तभी एकता भाभी भी मेरे करीब आ गईं तो मैंने उनको किस किया और उनकी गांड सहला दी.
उन्होंने मुझसे कहा कि गांड के कुछ ज्यादा ही शौक़ीन लगते हो.
इतने में मयूरी भाभी पास आ कर बोलीं- कमीनी, तेरी गांड है भी तो इतनी मस्त.

तभी एकता भाभी ने मयूरी भाभी को किस कर दिया. उनको किस करते देख कर मैं और पागल हो गया. नीचे बैठी हुई रिया भाभी तो मेरा लंड चूस ही रही थीं.. उससे मेरी उत्तेजना और बढ़ गई.
इतने में मैंने कहा- क्यों ना हम आराम से बेडरूम में चलें और उधर ही खेल का मजा लें.

भाभी की बात सुनकर हम तीनों बेडरूम में चल पड़े. बेडरूम में पहुंचते ही मयूरी भाभी ने मेरी टी-शर्ट उतार फेंकी और मेरा लंड चूसने लगीं. तभी रिया भाभी ने मौका देख कर

एकता भाभी को नंगी कर दिया. उनकी चूत एकदम साफ़ थी, जो रिया भाभी चाटने लगीं.

मयूरी भाभी को मैंने ऊपर उठा कर किस किया और उनके गले को चूमते हुए चाटने लगा, जिससे वो और गर्म हो गईं और उन्होंने खुद ही अपने कपड़े उतार फेंके. अगले दो मिनट में हम चारों ही नंगे हो चुके थे और हम सभी की चुदास की गर्मी सातवें आसमान पर थी.

मयूरी भाभी का पूरा बदन चाट चाट कर मैंने उन्हें पागल कर दिया था और अभी उनकी चूची चूस रहा था. तभी एकता भाभी मेरे पास आकर मेरा लंड चूसने लगीं और हिलाने लगीं.
मैंने कहा- कुतिया हाथ से हिला मत, अभी मुझे तीनों की गांड मारनी है
इस पर सब हंस पड़े.

मयूरी भाभी ने कहा- आज मैं गांड नहीं मरवाऊँगी.. मुझे सिर्फ चुत में लंड चाहिए.

मैंने रिया भाभी की ओर देखा तो उन्होंने मुझे आंख मार दी. आज तो मैं उन तीनों की चुदास देख कर पागल हुआ जा रहा था. मैं कभी किसी को हाथ लगा रहा था, कभी किसी को चूम रहा था, कभी किसी को चाट रहा था. तीनों भाभियां मेरा लंड प्यासी सी चूसे जा रही थीं, वो समा आज भी याद करके लंड फड़क उठता है.

ये सब चूमना चाटना चल ही रहा था, तीनों हसीनाएं भी एक दूसरे को चाट रही थीं. इतने में मैंने देखा कि एकता भाभी ने अपनी गांड उठा कर मुझे आंख मारी और मैं मुस्कुरा दिया.
मैं सीधा उनकी गांड पर लंड की नोक लगा कर खड़ा हो गया.
जिस पर वो बोलीं- लौड़े को ऐसे ही घुसाएगा क्या.. पहले तेल तो लेकर आ जा.

तभी रिया भाभी ने तेल लाकर अपने हाथों से मेरे लंड पर और मेरे लिए एकता भाभी नई नकोर गांड पे लगा दिया. मैंने एकता भाभी की कुंवारी गांड पर लंड टिकाया और इतनी

ज़ोर से धक्का दे मारा कि एकता भाभी के आंसू निकल आए, पर कुछ ही पल में उन्हें दर्द कम हो गया और हम दोनों गांड चुदाई का मज़ा लेने लगे.

तभी मयूरी भाभी मेरे पास आईं और मैं उन्हें किस करने लगा. रिया भाभी मयूरी भाभी की कम बालों वाली चुत को चाटने लगीं.

कुछ देर में मेरा लंड रस निकलने वाला था तो मैंने एकता भाभी को पूछा- बोल रंडी, कहां निकालूँ रायता ?
तो उन्होंने गांड मटकाते हुए कहा- अन्दर ही छोड़ दे.. राजा..

मैंने दस धक्के और लगाए और सारा माल उनके अन्दर निकाल दिया. उसके बाद मैंने उनकी ज़ोरों वाला किस किया और उनके दूध को कुछ देर मसलते हुए चाटा और फिर लंड निकाल कर लेट गया. तब तक रिया भाभी ने मयूरी भाभी की चूत चाट कर उसका रस निकाल दिया था.

पहली चुदाई के बाद हम सभी ने कुछ देर का ब्रेक लिया और खाना खाया. हमने नंगे ही खाना खाया, जिससे सबका चुदाई का मौसम बना रहे.

रिया भाभी ने अपना सब कुछ साफ़ कर रखा था, सिवाए उनकी झांटों के.. क्योंकि मुझे उन्हें झांटों में देखना पसंद है. ये बात रिया भाभी ने अपनी चूत दिखाते हुए सभी के सामने बिंदास कही, जिसे सुनकर मयूरी भाभी भी हंस पड़ीं और उन्होंने कहा- गांडू को झांटें वाली चूत पसंद है, वाह.

तभी मैंने चुप बैठी एकता भाभी की चुत में उंगली कर दी और उन्हें किस करते हुए कहा- सफाई वाली चुत भी उतनी ही पसंद है, पर मुझे रिया भाभी को झांटों में देखना ज्यादा पसंद है.

इस पर सभी हंस पड़े और मयूरी भाभी ने मुझसे कहा- अबे यार तुम चोदते टाइम भाभी भाभी मत बोला करो.
हम सभी फिर से एक बार हंस दिए.

खाना के बाद मैंने सिगरेट सुलगाई तो उन तीनों ने भी सिगरेट का मजा लेना शुरू कर दिया. ऐसे ही सिगरेट पीते हुए हम सभी लेटे लेटे गन्दी बातें करते रहे और इसी बीच मेरा लंड फिर से खड़ा हो गया. मैंने मयूरी भाभी को अपने मुँह पर बिठा लिया और उनकी चुत चाटने लगा. मैंने मयूरी भाभी की चूत इतनी मस्त चाटी कि वह एक बार तो चूत चटवाते हुए ही झड़ गईं.

खैर मैं फिर भी उनके साथ चुम्मा चाटी करता रहा. वहीं एकता मेरे लंड को चूस रही थी और रिया भाभी एकता भाभी की चुत चाट रही थीं.

इधर मयूरी भाभी चूत चुदवाने के लिए तड़पने लगीं और कहने लगीं- डाल दे अन्दर लौड़ा बे..
मैंने कहा- डालूंगा तो सही, लेकिन सिर्फ गांड में पेलूँगा.
वो गांड में लंड लेने से डर रही थीं. तभी मैंने एक उंगली उनकी गांड में डाल दी, जिससे उन्हें थोड़ा दर्द हुआ, पर मैं उन्हें किस करता रहा और वो मज़े लेने लगीं.

फिर उन्होंने खुद ही रिया भाभी को कहा- रंडी साली … लगता है आज मेरी गांड फट ही जाएगी, इस चूतिये का लंड मेरे पति से कहीं ज्यादा मोटा है.. अब उठ जा और ला तेल दे हरामज़ादी.

तभी रिया भाभी और एकता भाभी ने मेरे लंड और मयूरी भाभी की गांड को खूब सारा तेल पिलाया. बीच बीच में रिया भाभी और एकता भाभी की चुत और गांड को भी मैं किस करता रहा और उनके दूध चूसता रहा.

मैं जन्नत में था और वो तीनों भी काफी खुश थीं.

मयूरी भाभी की गांड में मेरा लंड कुछ मुश्किल से गया था, पर फिर मेरा सपना पूरा हो रहा था. अब वो भी मज़े ले रही थीं. उन्हें और गर्म करने के लिए एकता भाभी उनके दूध चूस रही थीं और रिया भाभी किस कर रही थीं. यह सब देख कर मुझे और जोश चढ़ रहा था और मैं धक्के पे धक्के लगाए जा रहा था.

रिया भाभी ने खुश होकर मुझे इतना टाइट किस किया कि मेरा लंड मयूरी भाभी की गांड में और तूफान मार गया. जिससे वो दर्द और खुशी के मारे कराह उठीं.

मैंने चरम पर आते हुए मयूरी भाभी से पूछा- बोल साली, कहां लेगी मेरा माल ?
तभी एकता भाभी ने कहा- इसकी चुत और दूध पर डाल दे, हम तेरा माल साफ़ कर देंगी.

इतना सुनना था कि मैंने लंड बाहर खींचा और मयूरी भाभी की कम झांटों वाली चुत और दूध पर पिचकारी मार दी.. कुछ बूँदें उनके मुँह पर भी छिटक दीं. मैंने फिर उनको किस करके उनका मुँह चाट लिया और खुद का दही भी चख लिया.
एकता भाभी ने मयूरी के दूध को चाट कर मेरा माल चखा और रिया भाभी ने चुत चाट कर स्वाद लिया.

उफ़.. क्या समा था वो ! अब तक मैं दो बार झड़ गया था और तीनों हसीनाएं भी मज़े ले रहीं थीं. अब हम तीनों फिर से एक दूसरे को चूम कर, चाट कर गर्म कर रहे थे. ये समा किसी नंगी मूवी से कम न था.

हमने थकान मिटाने की सोची और वोडका के दो दो पैग और पी लिए.. जिससे चुदाई का समा और गर्म हो गया. इस समय सबसे गर्म रिया भाभी थीं. आज उनकी वजह से हम सबको यह सुख मिला था, तो हमने सोचा हम तीनों मिलकर उनको चाटेंगे.

बस फिर क्या था.. वो 'उम्म्ह… अहह… हय… याह…' करती रहीं और इधर मयूरी भाभी उन्हें किस करती रहीं. एकता भाभी ने रिया भाभी के दूध चाटे और मैं उनकी चुत और गांड चाट रहा था. रिया भाभी पूरा मजा ले रही थीं. उन्होंने कहा- अबे चुतिये और दोनों रंडियों.. जान लोगे क्या.. खा जाओगे मुझे.. अब चोदो भी.. अह्ह्ह अहह अह्ह्ह.. मैं पागल हो जाऊँगी ऐसे.

फिर मैंने भाभी की चुत में उंगली कर दी और चाटना शुरू रखा.. जिससे वो और पागल हो गईं. उनकी जंगली झांटों में उनके पानी बह रहा था. फिर मैंने एकता भाभी को कहा कि मेरे लंड पर तेल लगा दो.
उन्होंने तेल लगाया और लंड हिलाते हुए मस्ती से कहा- हरामज़ादे तू टंच माल है, जियो मेरे शेर जियो.. क्या कड़क लंड है.
उनकी बात से मेरा कॉन्फिडेंस और बढ़ गया.

फिर मयूरी भाभी ने रिया भाभी की गांड में तेल लगाते हुए अन्दर गांड में उंगली भी कर दी.

यह सब पागल कर देने वाला माहौल था. मैंने रिया भाभी की गांड काफी देर तक मारी और मयूरी भाभी के दूध चूसे. वाह आज तो दिल कर रहा था कि समय बस वहीं रुक जाए.

फिर कुछ और धक्के और गालियों के रोमांच के बाद, मैंने सारा माल उनकी चुत और गांड के बाहरी हिस्से पर डाल दिया, जिसे मैंने और एकता भाभी और मयूरी भाभी ने दिल से चाट लिया. हम सभी ने एक दूसरे को कई बार चुम्बन किए. उसके बाद भी हम एक दूसरे को चाटते रहे.

अब वो तीनों भी एक एक बार झड़ चुकी थीं और मुझे भी थोड़ा आराम चाहिए था. फिर हमने नंगे ही रात का खाना खाया और ढेर सारी गन्दी बातें करते हुए लेटे रहे.

मयूरी भाभी की एक अधूरी इच्छा थी कि मैं जाते समय उनकी एक बार चुत मार लूँ, जो मैंने खुशी खुशी पूरी कर दी. जब भाभी ने चूत में लंड लेने की इच्छा जताई तो मैंने उनसे कहा कि भाभी मैं लेट जाता हूँ और आप मेरे ऊपर चढ़ कर सवारी करो.
भाभी ने मेरे लंड पर चूत टिकाई और मैंने एकता भाभी को अपने मुँह पर बिठा लिया. इस तरह नीचे मेरा लंड मयूरी भाभी की चूत की खाज मिटा रहा था और मैंने ऊपर एकता भाभी की चुत चाट ली.. जिससे वो दोनों और खुश हो गईं.

फिर सबका घर जाने का टाइम हो गया, पर हम अभी भी एक दूसरे को चूम रहे थे और कह रहे थे कि ये दिन ज़िन्दगी का सबसे खूबसूरत दिन साबित हुआ.

यह ग्रुप सेक्स की कहानी आपको अच्छी लगी या नहीं ? आपके लंड या चुत से पानी निकलने में मज़ा आया या नहीं ? मुझे ईमेल ज़रूर कीजियेगा.
मनन ज़ेबा
mananzeba@gmail.com